हम वृन्दावन आ गए

एक तेरी, साँवरी सूरत से,
बस हो ही गया है, प्यार मुझे।
खा करके, ज़माने की ठोकर,
एक तूँ ही मिला, दिलदार मुझे।
मेरे इस, उजड़े गुलशन की,
अब तक न मिली है, बहार मुझे।
ओ नन्द लाला, अब देर न कर,
झट से दिखला, दीदार मुझे।

हो मुरली वाले, यार तेरा,
हो कमली वाले, यार तेरा,
प्यार पाने, आ गए,,,,
हम वृन्दावन ।।। आ गए,
हम वृन्दावन आ गए ॥

तुझ बिन बीती, कितनी रातें
तुझसे करने, को कुछ बातें ॥
मनमोहन, दिलदार तुमको ॥
बिनती सुनाने आ गए,,,,
हम वृन्दावन ।।। आ गए,,,,,,,,

बिनती तुमसे, ये ही साँवरिया
तेरे दर पे, बीते उमरिया ॥
वृन्दावन की, पावन रज को ॥
मस्तक पे लगाने आ गए,,,,
हम वृन्दावन ।।। आ गए,,,,,,,

हम तो हैं तेरे, प्रेम दीवाने
दीवाने, तेरे मस्ताने ॥
सारे जग को, ठुकरा के हम ॥
तुमको रिझाने आ गए
हम वृन्दावन ।।। आ गए,,,,,,

पागल की, पागल ही मस्ती
भूल के बैठे, अपनी हस्ती ॥
चित्र वचित्र भी, वृन्दावन की ॥
महिमा गाने आ गए,,,,
हम वृन्दावन ।।। आ गए,,,,,,,,
अपलोडर- अनिल रामूर्ति भोपाल

स्वर : चित्र विचित्र

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9710/title/hum-vrindhavan-aa-gaye-ho-murlo-vale-yaar-tera

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |